प्रिय विद्यार्थियों एवं पालकगण,

यह संयोग की ही बात है कि कैम्पस मीटर का दूसरा अंक रंगों के पर्व होली के ठीक पहले प्रकाशित हो रहा है। अतएव सर्वप्रथम आप सभी को मेरी ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं। आशा करता हूं आप यह पर्व पूरे हर्षोल्लास से मनाएंगे। बस इतना निवेदन अवश्य करूंगा कि इस पर्व पर पानी की बचत के संदेश को ध्यान में रखिएगा।

इस न्यूजलेटर के माध्यम से मैं विद्यार्थियों के पालकगणों को विशेष रूप से आश्वस्त करना चाहूंगा कि हमारा समूह आपके द्वारा सौंपे गए बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षण, प्रशिक्षण तथा पढ़ाई पूरी करने के साथ ही अच्छे रोजगार दिलाने के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। समूह के परीक्षा परिणाम से लेकर विद्यार्थियों के दिग्गज कंपनियों में प्लेसमेंट तक लगातार मिल रही उपलब्धियां हमारे इस कथन की पुष्टि करते हैं। निसंदेह इन उपलब्धियों में आपके द्वारा सौंपे गए बच्चों की प्रतिभा का भी बड़ा योगदान है जिसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

कैम्पस मीटर के इस अंक में समूह के विद्यार्थियों की अनूठी खोजों, खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभा के प्रदर्शन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, औद्योगिक भ्रमण तथा देश-विदेश की जानी-मानी कंपनियों में हुए प्लेसमेंट आदि को समाहित किया गया है। सीमित स्थान होने की वजह से हम इस अंक में कुछ खास झलकियों को ही प्रस्तुत कर सके हैं।

अनेकानेक शुभकामनाओं सहित।

आपका,

आर.आर. सक्सेना

एचसीएल कॉमनेट का पूल कैम्पस

देश की अग्रणी सूचना तकनीक कंपनी एचसीएल की इकाई एचसीएल कॉमनेट ने समूह परिसर में पूल कैम्पस का आयोजन किया। इस तीन दिवसीय कैम्पस में प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 550 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा 105 छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया। कम्प्यूटर साइंस, इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विषय के विद्यार्थियों ने ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद के लिए चयन प्रक्रिया में भाग लिया। कंपनी से आए मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों ने सभी विद्यार्थियों के ज्ञान एवं कौशल को जांचने के लिए लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन तथा व्यक्तिगत साक्षात्कार प्रक्रिया अपनाई। साथ ही कंपनी ने विद्यार्थियों के तकनीकी कौशल व कम्युनिकेशन स्किल्स को भी परखा।

सिन्टेल में समूह के छह विद्यार्थी चयनित

विश्व की अग्रणी सूचना तकनीक सेवा तथा नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग कंपनी सिन्टेल इंक ने समूह के छह विद्यार्थियों को अपने विभिन्न कार्यालयों में नियुक्त हेतु चयनित किया है। कंपनी द्वारा हाल ही में समूह के विद्यार्थियों के लिए एक ऑनलाइन परीक्षा तथा पर्सनल इंटरव्यू का आयोजन किया गया था। इस परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशंस एवं कम्प्यूटर साइंस विषय के विद्यार्थियों ने भाग लिया था। कंपनी द्वारा अंतिम रूप से जिन विद्यार्थियों को चयनित किया गया है उनमें अर्पित लालवान, मल्लिका कनकने, निशा रामचंदानी, अर्पिता राय, राहुल कुमार मोहता तथा सुरभि उपाध्याय शामिल हैं। इन विद्यार्थियों को 2.9 लाख रुपए का सालाना पैकेज प्रदान किया गया है।

नए विचारों का स्वागत है एवं आपके सुझाव एवं प्रतिक्रिया हमें सदा ही कुछ नया प्रस्तुत करने में मार्गदर्शन देती है। कृपया अपने सुझावों एवं विचारों से हमें अवगत कराते रहें, हमारा पता है। **राधारामण ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट**, भदभदा रोड, रतीबड़, भोपाल दूरभाष: 0755-2896660, ई-मेल: rgipro79@mail.com, (Media Relation Officer - Prakash Patil)

Published by Dr. K.M. Sivakumar, Chief Editor for and on behalf of Radharaman Group of Institutes, Ratibad Main Road, Bhopal-462044. For internal circulation only.

CAMPUS Meter
Since 2003
A Newsletter of Radharaman Group
Educators for Technology Empowerment
www.radharamanbhopal.com
Issue - 2 February 2012

समुद्र में फैले तेल को सोखने समूह विद्यार्थियों ने इजाद की कारगर विधि

बीई फाइनल ईयर में अध्ययनरत विपुल शर्मा, युसुफ अली तथा तोजो थॉमस ने तेल वाहक जहाजों के दुर्घटनाग्रस्त होने से समुद्र में फैलने वाले तेल को सोखने की विधि इजाद की है। इस विधि से बने एक मॉडल को हाल ही में आईआईटी, कानपुर में हुई एक प्रदर्शनी में भी प्रदर्शित किया। यह विधि अन्य विकल्पों की तुलना में बहुत सस्ती और ज्यादा कारगर है। साथ ही इन विद्यार्थियों ने एक और विधि विकसित की है जिसके इस्तेमाल से तेल कुंओं में प्रयुक्त होने वाले पाइपों में अचानक आने वाली दरारों को स्वत: ठीक किया जा सकता है।

विद्यार्थियों ने इस खोज को वीवायटी अम्ब्रेला नाम दिया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में तेल को सोखने के लिए प्रयुक्त विधियां न केवल बहुत खर्चीली हैं बल्कि कम प्रभावी हैं। इससे पैसों व समय का अपव्यय तो होता ही है तथा पर्यावरण के लिए घातक तेल की बड़ी मात्रा समुद्र में ही रह जाती है। वीवायटी अम्ब्रेला तकनीक में पानी में उल्टे पड़े छाते की तरह है जिसमें पॉलिस्टर के स्थान पर विशेष केमिकलयुक्त सूती कपड़े का इस्तेमाल तेल को सोखने के लिए किया जाता है। इसके निचले हिस्से में रिंग व पिस्टन जुड़े होते हैं जिन्हें चलाने पर वे कपड़े द्वारा सोखे गए तेल व पानी को अलग अलग कर देते हैं। इसके अगले चरण में सोखा गया तेल इस यंत्र से जुड़े कंटेनर में जाकर इकट्ठा हो जाता है। इस मॉडल में बैलून लगाकर समुद्र की सतह पर तैराया जा सकता है और पानी को फिल्टर करने की यह प्रक्रिया चलती रहेगी। मॉडल में मोटर भी लगी है जिसमें स्पीड कंट्रोलर लगा है। जरूरत के मुताबिक इसमें समानांतर और मशीनें जोड़कर ऊर्जा की खपत घटाई जा सकती है।

अपनी दूसरी तकनीक के बारे में विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने इसे ऑइल स्पिल कंट्रोल नाम दिया है। यह तकनीक तेल कुंओं में तेल को ऊपर खींचने में प्रयुक्त होने वाले पाइपों में दबाव की वजह से आने वाली दरार को रोकने में सक्षम है। इस तकनीक के तहत तेल खींचने वाले पाइप के ऊपर उससे कुछ बड़े आकार का पाइप पहनाया जाता है। इस पाइप में रिसाव को भरने व जोड़ने वाले केमिकल भरे जाते हैं। तेल ले जाने वाले पाइप में जैसे ही दरार आने का संकेत मिलता है वैसे ही दूसरे पाइप में भरे कैमिकल उस दरार में समाकर उस दरार को बढ़ने से रोक देते हैं। सेंसर से जुड़े होने की वजह से इसकी सूचना ऑपरेटर को मिल जाती है जो समय रहते पाइप की मरम्मत का काम आरंभ कर देता है।

विद्यार्थियों ने बनाई 20 हजार रुपए कीमत की कार

- चालकों को मिलेगा 40 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज
- कनवर्टिबल छत के चलते खुली व बंद कार का ले सकेंगे मजा
- जरूरत पड़ने पर सोलर व इलेक्ट्रिक कार में हो सकती है परिवर्तित

राधारमण इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड साइंस (आरआईटीएस) के विद्यार्थियों ने मात्र 20 हजार रुपए की लागत से एक ऐसी कार का निर्माण किया है न केवल कीमत के मामले में बल्कि माइलेज के मामले में भी जेब पर काफी हल्की है। युवाओं व छोटे परिवारों को लक्ष्य कर बनाई गई यह कार 1 लीटर पेट्रोल में 40 किलोमीटर की सैर कराने में सक्षम है। आवश्यकता पड़ने पर इसे सोलर अथवा इलेक्ट्रिक कार के रूप में भी परिवर्तित किया जा सकता है। विद्यार्थियों का दावा है कि कोकप्टिक एश नामक इस तिपहिया कार का डिजाइन एकदम अनूठा है तथा इससे पूर्व बाजार में नहीं देखा गया है। इस कार का निर्माण करने वाले विद्यार्थियों हिमांशु भदानी, आनंद सोनी व सिद्धार्थ दुबे ने बताया कि एयरोडायनामिक आकार वाली इस कार का निर्माण दुपहिया वाहन से अधिक स्थिरता व सुरक्षा देने के उद्देश्य से किया गया है। इस कार में 110 सीसी क्षमता का टू-स्ट्रोक पेट्रोल इंजन इस्तेमाल किया गया है। सामान्यतरू यह इंजन मोटरसाइकिलों में प्रयुक्त होता है। बहुत कम रखरखाव की जरूरत वाली इस कार में मौसम से सुरक्षा के लिए कनवर्टिबल छत का भी प्रावधान किया गया है। खुले मौसम में जहां इसकी छत को खुला रखा जा सकता है तो वहीं बारिश व सर्दी के मौसम में इसे बंद कर मौसम की मार से बचा जा सकता है। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने इस कार को अपने गुरु प्रोफेसर अजय सिंह के मार्गदर्शन में बनाया है।

समूह परिसर में एप्टीट्यूड सेमीनार - सीखे कैम्पस में सफल होने के गुर

दिन ब दिन जटिल होती जा रही कार्यप्रणाली के चलते कॉरपोरेट दुनिया की चयन प्रक्रिया भी जटिल होती जा रही है। कंपनी के एच.आर. विभाग के अधिकारी कैम्पस के दौरान ऐसे युवाओं की तलाश करते हैं जो मल्टी टास्किंग कर सकें और कम से कम प्रशिक्षण में रिजल्ट ओरिएंटेड एम्प्लाई बन सकें। इसलिए अच्छे पैकेज पर कॉरपोरेट दुनिया में प्रवेश करने के इच्छुक विद्यार्थियों को अपने स्किल्स निखारने का काम पढ़ाई के साथ साथ करना चाहिए।

उक्त बात राधारमण परिसर में आयोजित एक दिवसीय एप्टीट्यूड सेमीनार के दौरान ग्लोबेरना टेक्नालॉजीस, हैदराबाद से आए एप्टीट्यूड ट्रेनर राजशेखर नायडु ने कही। समूह के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस सेमीनार में उन्होंने उपयोगी जानकारी व टिप्स प्रदान किए।

श्री नायडु ने कहा कि कैम्पस के दौरान लिखित परीक्षा, ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू के जरिए उम्मीदवारों के किताबी ज्ञान से लेकर पर्सनैलिटी संबंधी स्किल्स जैसे आत्मविश्वास, टीम में काम करने की योग्यता, निर्णय लेने की क्षमता तथा कम्युनिकेशन आदि की जानकारी ली जाती है। अतएव इसमें सफल होने के लिए इन तीनों परीक्षाओं की तैयारी भली प्रकार की जाए।

इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को उक्त तीनों परीक्षाओं की तैयारी किस प्रकार की जाए इस विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। सेमीनार के उपरांत उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए सवालों के भी जवाब दिए।

मिली मुनि मार्दव सागरजी की सीख

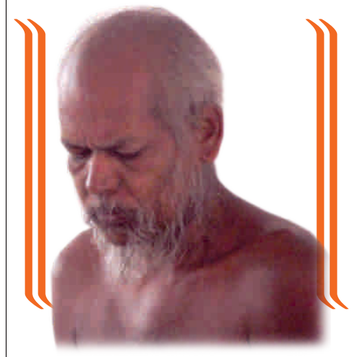

''ईश्वरीय अवतार अथवा जादुई चमत्कार के जरिए बदलाव की अपेक्षा रखने वाले भारतीय जनमानस को यह समझना होगा कि बदलाव स्वयं को बदलने से आता है। आज के परिप्रेक्ष्य में जनसामान्य को अपनी शक्ति को पहचान कर देश को नई दिशा देने के लिए पहल करनी होगी इसी में विश्व के सबसे बड़े जनतंत्र की सार्थकता निहित है।''

उक्त बात गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूह परिसर में ध्वजारोहरण के लिए पधारे जैन मुनि मार्दव सागरजी महाराज ने विद्यार्थियों व समस्त फैकल्टी मेम्बर्स को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने गणतंत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि गण तथा तंत्र शब्द से मिलकर बना यह शब्द लोगों के द्वारा बनाए व चलाए जाने वाले सिस्टम को व्यक्त करता है। इस शब्द को हर भारतीय को गहराई में जाकर न केवल समझना होगा बल्कि भारतीय गणतंत्र में उसका क्या योगदान है इस बारे में मनन भी करना होगा। मुनि मार्दव, जोकि आचार्य विद्यासागरजी महाराज के शिष्य हैं, ने विद्यार्थियों से कहा कि वे देश की युवा शक्ति हैं तथा उन्हें अपनी शक्ति का इस्तेमाल रचनात्मक तरीके से करते हुए देश को विश्व की महाशक्ति बनाने में करना चाहिए। यह तभी संभव है जब प्रत्येक विद्यार्थी अपनी समस्त ऊर्जा को सही दिशा में लगाए। उन्होंने समूह के फैकल्टी मेम्बर्स से कहा कि विद्यार्थी मार्गदर्शन के लिए उनकी ओर देखते हैं अतएव उन्हें अपने ज्ञानकोष को बढ़ाते रहना चाहिए साथ ही अपने व्यवहार से विद्यार्थियों का प्यार व सम्मान प्राप्त करना चाहिए।

समूह की होनहार छात्रा दीप्ति बनीं कैम्पस एम्बेसेडर

देश की अग्रणी डाटा सेवा व एनालिसिस कंपनी एमयू सिग्मा ने जहां एक ओर समूह की छात्रा दीप्ति खाम्बरा को 4.25 लाख रुपए के पैकेज नौकरी दी है तो वहीं दूसरी ओर उन्हें भोपाल क्षेत्र हेतु अपना कैम्पस एम्बेसेडर भी नियुक्त किया है। कंपनी का कहना है कि दीप्ति कंपनी और नए विद्यार्थियों के बीच सेतु का काम करेगी। वे कंपनी की रिक्रूटमेंट नीतियों तथा रोजगार अवसरों सहित अन्य छात्र उपयोगी जानकारी भोपाल क्षेत्र के कॉलेजों व विद्यार्थियों तक पहुंचाएंगी। वे कंपनी के द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों के समन्वय का भी काम देखेंगी। दीप्ति ने बताया कि उन्हें इस बात की खुशी है कि कंपनी ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। संभवतरू यह पहला अवसर है कि देश की किसी कंपनी द्वारा भोपाल क्षेत्र में कैम्पस हेतु ब्राण्ड एम्बेसेडर की नियुक्ति की गई है।

कारवां 2012 का रंगारंग समापन

समूह के मैनेजमेंट विद्यार्थियों ने हाल ही में मैनेजमेंट वीक कारवां 2012 का आयोजन किया। सप्ताह भर चले इस आयोजन में रंगोली, फ्लावर व सलाद डेकोरेशन, मेंहदी, एड मेड शो, लघु नाटक, क्विज, अंताक्षरी, गीत गायन व डांस तथा मिस्टर एवं मिस कारवां फैशन शो के जरिए विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर आयोजित एक समारोह में समूह के चेयरमेन आर.आर. सक्सेना ने सप्ताह के दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। रंगोली में रीना त्रिपाठी, पूजा तथा श्वेता, मेंहदी में रीना व गरिमा जैन, सलाद डेकोरेशन में पूनम लुइटल, एड मेड शो में पूनम एण्ड ग्रुप, क्विज में कमलेश तथा सुल्तान ग्रुप, अंताक्षरी में नेहा, स्मिता, स्वाति व पूनम, मिस्टर व मिस में र,बिन थ,मस व श्वेता वर्मा, सिंगिंग व डांसिंग में चंदन, प्रवीण, गरिमा व पूनम को पुरस्कृत किया गया। इसी प्रकार लघु नाटक में विकास झा एण्ड ग्रुप तथा गरिमा एण्ड ग्रुप को श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

अंकित को मिली रिलायंस रिटेल में नौकरी

समूह के मैनेजमेंट महाविद्यालय राधारमण इंजीनियरिंग क,लेज के एमबीए मार्केटिंग विद्यार्थी अंकित खाबिया देश के अग्रणी रिटेल उत्पाद समूह रिलायंस रिटेल में नियुक्ति मिली है। कंपनी के कैम्पस ड्राइव में अंकित को चयनित किया गया।

शहर के समाचार पत्रों में छपे समाचारों में अंकित ने अपनी सफलता का श्रेय राधारमण समूह के फैकल्टीज तथा ट्रेनिंग व प्लेसमेंट सेल द्वारा दिए गए विशेष प्रशिक्षण व मार्गदर्शन को दिया है। अंकित ने कहा कि यहां पढ़ाई के साथ साथ व्यक्तित्व विकास व इंटरव्यू स्किल्स का प्रशिक्षण उनके बहुत काम आया तथा कड़ी प्रतिस्पर्द्धा में उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि रिलायंस इण्डस्ट्रीज समूह की इकाई रिलायंस रिटेल संगठित रिटेल कारोबार में वर्ष 2006 से देश के विभिन्न शहरों में मौजूद है।

अंतराष्ट्रीय सेमीनार में गूंजा राधारमण का नाम

राधारमण कॉलेज ऑफ फार्मेसी की डायरेक्टर डॉ. पापिया बिगोनिया ने 17 से 19 फरवरी तक कोलकाता में आयोजित दवाओं की प्राचीन प्रणाली संबंधित अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में जहाँ पर विश्व के 50 बड़े देश सम्मिलित हुए थे। राधारमण समूह की डॉ. बिगोनिया ने इस सेमिनार में मध्यप्रदेश का नेतृत्व किया एवं अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। विभिन्न देशों से आए हुए चिकित्सा क्षेत्र के विद्वानों ने उनके उद्बोधन को सराहा। डॉ. पापिया बिगोनिया ने इससे पहले भी कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फार्मेसी सेमिनार में राधारमण समूह की ओर से नेतृत्व कर चुकी है, एवं कॉलेज में शोध के नए-नए विकल्पों पर लगातार प्रयत्नशील रहती हैं। ग्रुप चेयरमेन श्री आर.आर. सक्सेना ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

एनएसटीडीबी द्वारा कार्यशाला आयोजित

''सफल उद्यमी बनने के लिए व्यक्ति में रचनात्मक सोच व कुछ कर गुजरने का जुनून, बाजार की समझ, प्रबंधन व विक्रय कौशल सहित अच्छा नेतृत्व करने की क्षमता आदि का होना जरूरी होता है।'' यह सीख डी.के. इन्सुलेशन इण्डस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक डी.के. कोहली ने समूह परिसर में आयोजित उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला में विद्यार्थियों को दी।

इस कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार के नेशनल साइंस एण्ड टेक्नाल,जी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से किया गया। श्री कोहली इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे जबकि मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम के मुख्य महाप्रबंधक पीयूष माथुर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यशाला की अध्यक्षता समूह के चेयरमेन आर.आर.सक्सेना ने की।

भोपाल नोडल क्रिकेट टीम बनीं राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट विजेता और समूह की टीम बनी नोडल विजेता

समूह परिसर में खेले गए राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में भोपाल की टीम ने गत विजेता रीवा को हराकर ट्राफी पर अपना कब्जा कर लिया। भोपाल ने यह मैच रीवा को 7 विकिटों से हराकर जीता। फाइनल मुकाबले का ट,स रीवा ने जीता तथा पहले बैटिंग करने का फैसला किया। निर्धारित 20 ओवरों में रीवा ने 9 विकिट खोकर 140 रन बनाए। टीम की ओर से पंकज और अनुज ने 102 रन जोड़े। पंकज ने 55 बालों पर 2 छक्के व 12 चौकों की सहायता से 77 रन बनाए जबकि अनुज ने 31 बालों में 2 छक्कों की सहायता से 25 रन बनाए।

रीवा द्वारा दिए गए लक्ष्य को हासिल करने मैदान में उतरी भोपाल की टीम ने तेज पारी खेली। उजेर तथा विवेक की 108 रनों की मजबूत पारी ने टीम को जबर्दस्त मजबूती दी और टीम 7 विकिटों से यह फाइनल मुकाबला जीत गई। भोपाल ने अपना विजयी लक्ष्य मात्र 18.2 ओवरों प्राप्त कर लिया। टीम के अजान बग्गड़ ने इस जीत को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2 ओवरों में 19 रन देकर 6 विकिट झटके। खास बात यह रही कि बग्गड़ के इन दोनों ओवरों में तीन-तीन विकिटों की हैट्रिक शामिल रही।

कारवां 2012 मैनेजमेंट वीक में आरआईटीएस विजयी

खेलकूद गतिविधियों के तहत समूह परिसर में कारवां 2012 नामक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आरईसी (राधारमण इंजीनियरिंग क,लेज) और आरआईटीएस (राधारमण इंस्टीट्यूट अ,फ टेक्रोल,जी एण्ड साइंस) के बीच खेला गया जिसमें आरआईटीएस विजेता रही।

मना फार्मेसी सप्ताह

समूह के फार्मेसी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने फार्मेसी सप्ताह का आयोजन कर अपनी पसंदीदा गतिविधियों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। सप्ताह के दौरान फार्मेसी विषय पर केन्द्रित व्याख्यानों, प्रश्नोतरों, पेपर प्रजेंटेशन आदि गतिविधियों सहित खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समापन समारोह में समूह के उपाध्यक्ष संजीव सक्सेना ने सप्ताह के दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समूह के ग्रुप डायरेक्टर प्रोफेसर जे.एल. राणा तथा राधारमन कॉलेज ऑफ फार्मेसी की प्राचार्या श्रीमती पापिया बिगोनिया विशेष रूप से मौजूद थीं। कार्यक्रम में जिन्हें पुरस्कृत किया गया उनमें गली क्रिकेट विजेता आरआईपीएस, वॉलीबाल विजेता आरसीपी, एम. फार्मा ओरल प्रजेंटेशन स्मिता मिश्रा, बी. फार्मा ओरल प्रजेंटेशन हुमा इरम, पोस्टर प्रजेंटेशन सरिता दुबे व चेतना शाह, डांस काम्पीटिशन कंचन सैनी व जया प्रजापति तथा गायन प्रतियोगिता अंकिता वराठे व नीतू सिंह शामिल थीं।

समूह विद्यार्थी बनेंगे सफल उद्योगपति

शिक्षा पूरी होने के उपरांत यह जरूरी नहीं है कि विद्यार्थी नौकरी के जरिए अपना करियर बनाए बल्कि वे चाहें तो उद्योग स्थापना कर स्वयं व अन्य लोगों के लिए आमदनी के रास्ते खोल सकते हैं। अब पूरे प्रदेश में कहीं भी 5 करोड़ रुपए तक के रोजगार लगाने वाले उद्यमियों को सी श्रेणी में आने वाले उद्योग के लिहाज से पिछड़े क्षेत्रों में दी जा रही सभी रियायतें मिलेंगी। वे सरकारी खर्चे पर विदेश यात्रा भी कर सकेंगे।

उक्त बात सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के इन्दौर स्थित विकास संस्थान के निदेशक डॉ. डी.एस. मण्डलोई ने मंत्रालय के 30 दिनी व्यवसाय कौशल विकास कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित एक समारोह में कही। एमएसएमई डेवलपमेंट इन्स्टीट्यूट, भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में समूह के इंजीनियरिंग तथा फार्मेसी की शिक्षा ले रहे 36 विद्यार्थियों के एक दल ने भाग लिया। इस अवसर पर राधारमन ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूट्स के चेयरमेन आर.आर. सक्सेना, डायरेक्टर (आर एण्ड डी) प्रोफेसर डॉ. पी.के. लाहिरी तथा डायरेक्टर (टी एण्ड पी) डॉ. आर.एल. गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अर्जुन, अभिषेक और नाईमा ने ओरेकल परीक्षा में लहराया परचम

जावा लैंग्वेज सहित विभिन्न सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर बनाने वाली अमेरिकी कंपनी ओरेकल द्वारा आयोजित ओरेकल सर्टिफाइड जावा प्रोग्रामर परीक्षा में समूह के विद्यार्थियों -अर्जुन पटेल, अभिषेक सुमन तथा नाईमा सिद्दकी- ने शानदार प्रदर्शन किया है। जहां अर्जुन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली इस परीक्षा को 100 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया तो वहींअभिषेक सुमन तथा नाईमा सिद्दकी ने 98 प्रतिशत अंकों से पास किया। संभवतः यह पहला मौका है कि मध्यप्रदेश के निजी इंजीनियरिंग महाविद्यालय के किसी विद्यार्थी ने इस कठिन परीक्षा को शत-प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण किया।

अर्जुन ने बताया कि भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों में मौजूद बड़ी सूचना तकनीक कंपनियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इन्फोसिस, एक्सेंचर, विप्रो, आईबीएम आदि इस सर्टिफिकेट रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाती है। यहां तक कि सॉफ्टवेयर कंपनियां अपने कर्मचारियों को यह प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए समस्त खर्च भी उठाती हैं।

टॉपर विद्यार्थियों को मिली चांसलर स्कॉलरशिप

अंकिता श्रीवास्तव

चंचल कुमार

ओमप्रकाश

महेश पटेल

समूह के चार टॉपर विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित चांसलर स्कॉलरशिप प्राप्त हुई है। उन्हें यह स्कॉलरशिप राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित चौथे चांसलर स्कॉलरशिप समारोह में प्रदेश के राज्यपाल श्री रामनरेश यादव ने प्रदान की। इस अवसर पर प्रदेश के तकनीकी और उच्च शिक्षा मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा तथा आरजीपीवी के कुलपति पीयूष त्रिवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे। जिन विद्यार्थियों को यह स्कॉलरशिप प्राप्त हुई उनमें इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन की अंकिता श्रीवास्तव तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग के ओमप्रकाश, महेश पटेल व चंचल कुमार शामिल हैं। यह स्कॉलरशिप विभिन्न सत्रों में सैद्धांतिक विषयों में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को दी जाती है। स्कॉलरशिप के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को रुपए 20 हजार की आर्थिक सहायता आरजीपीवी की ओर से मिलती है।

औद्योगिक भ्रमण कर सीखीं प्रेक्टिकल बातें

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम मंत्रालय के उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत समूह के विद्यार्थियों ने शहर के तीन प्रमुख औद्योगिक संस्थानों का भ्रमण किया। इन संस्थानों में डी.के. इन्सुलेशन इण्डस्ट्रीज, एमएसएमई टेस्टिंग सेंटर तथा माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस - प्रोसेसिंग एण्ड रिसर्च सेंटर शामिल थे। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को औद्योगिक इकाईयों की विभिन्न प्रक्रियाओं के तकनीकी व अन्य पहलुओं की जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने डी.के. इन्सुलेशन इण्डस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक डी.के. कोहली, एमएसएमई टेस्टिंग सेंटर के श्री अग्रवाल तथा माइनर फॉरेस्ट प्रोड्यूस - प्रोसेसिंग एण्ड रिसर्च सेंटर के डी.डी. शर्मा से मुलाकात की। विद्यार्थियों के दल का नेतृत्व समूह के डायरेक्टर डॉ. पी.के. लाहिरी तथा के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद युनूस ने किया। उक्त सभी संस्थानों के प्रमुखों ने अपने यहां आए विद्यार्थियों को संस्थान के विभिन्न कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा विभिन्न विभागों के प्रमुखों से मिलवाया। इस दौरान विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान संबंधित संस्थानों के उच्चाधिकारियों द्वारा किया गया।

जाना पेंट निर्माण से लेकर बिक्री तक की प्रक्रिया को

समूह के एमबीए विषय के विद्यार्थियों ने गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित अग्रणी पेंट निर्माता कंपनी यश पेंट्स का भ्रमण किया। शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्देश्य प्रबंधन विद्यार्थियों को इस कंपनी की प्रबंधन प्रक्रिया से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान कंपनी अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पेंट निर्माण से लेकर उसकी मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन तथा कस्टमर सर्विस आदि प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।